विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
DEPARTMENT OF
SCIENCE AND TECHNOLOGY
भारत सरकार
GOVERNMENT OF INDIA
सत्यमेव जयते

विज्ञान और विरासत अनुसंधान पहल (श्री)

प्रस्ताव आह्वान

विश्व 2050 तक निवल शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए निम्न उत्सर्जन प्रथाओं को अपना रहा है। कृषि आधारित भारतीय अर्थव्यवस्था को निवल शून्य खाद्य प्रणालियों को अपनाने की आवश्यकता है, जिसके लिए पोषण मूल्य से समझौता किए बिना मांस और दुग्ध उत्पादों की खपत में व्यापक पैमाने पर नई तकनीकों को अपनाने और परिवर्तन करने की आवश्यकता होगी। लोगों की पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आहार परिवर्तन और नवोत्पन्न प्रौद्योगिकियों सहित विविध प्रथाएं और नवोन्मेषी अनुसंधान देश के लिए महत्वपूर्ण है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा वर्ष 2023 को ''अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज (मिलेट) वर्ष'' घोषित किया गया है। विश्व के सबसे बड़े पोषक अनाज उत्पादक के रूप में भारत में पोषक अनाज/ मोटा अनाज प्रोटीन आधारित मांस, अंडा और दुग्ध स्मार्ट प्रोटीन उत्पादों का केंद्र बनने की व्यापक क्षमता मौजूद है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), भारत सरकार ने पोषक अनाज (मिलेट) पर अनुसंधान और आउटरीच गतिविधियों को सहायता प्रदान करने की पहल की है और इस पारंपरिक फसल को पुनर्जीवित करने के लिए, पोषक अनाज/ मोटा अनाज पर फोकस के साथ पौधे आधारित मांस /अंडे / दुग्ध क्षेत्र में भारत को वैश्विक आपूर्तिकर्ता और प्रमुख बाजार के रूप में स्थापित करने के लिए अकादमिक-उद्योग-सामाजिक अंतरसंबंध के सृजन हेतु प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

निम्नलिखित क्षेत्रों में संकल्पना प्रस्ताव आमंत्रित हैं:

पारंपरिक ज्ञान प्रणाली का अभिगम:

- देश भर के स्थानीय समुदायों के पास उपलब्ध व्यंजनों का डिजिटल प्रारूपों में प्रलेखन।
- अवस्थिति, खेती और उत्पाद / व्यंजनों को दर्शाने वाले पोषक अनाज/ मोटा अनाज के वैज्ञानिक मोनोग्राफ 'भारतीय पोषक अनाज/ (मिलेट) एटलस' का निर्माण।

अनुसंधान एवं विकास :

- निवल शून्य प्राथमिक और गौण प्रसंस्करण के लिए अभिनव उपकरण और तकनीकें।
- पोषक अनाज/ मोटा अनाज से प्रोटीन निष्कर्षण बढ़ाने के तरीके।
- कार्यक्षमता, पोषक तत्वों की जैव उपलब्धता, सम्मिश्रण, सुस्वादुता और उपयोग अवधि में सुधार।
- पोषक अनाज (मिलेट) मोटा अनाज अपशिष्ट से मानकीकृत भोजन, पशुभोजन चारा या चारा उत्पाद।
- स्वास्थ्य विशेषताओं के संदर्भ में पोषक अनाज/ मोटा अनाज के पारंपरिक व्यंजनों का वैज्ञानिक सत्यापन।
- पोषक अनाज/ मोटा अनाज से कार्यात्मक उत्पाद / अनुपूरक उत्पाद।

अवसंरचना का निर्माण:

- समुदाय आधारित प्रौद्योगिकी संसाधन केंद्र (सीटीआरसी): पोषक अनाज (मिलेठ) की मूल्य श्रृंखला और इष्टतम गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए उच्च प्राथमिकता वाले स्थानों पर।
- स्टार्ट-अप/युवा उद्यमियों/गैर-सरकारी संगठनों/उद्योगों द्वारा विकसित उत्पादों के लिए अत्याधुनिक खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएं।

कृपया ध्यान दें: चूंकि आह्वान बाजरा पर केंद्रित है, अतः केवल संगठन / पीआई /संस्थान पात्र जो पहले से पोषक अनाज/ मोटा अनाज आधारित अनुसंधान या उत्पाद विकास से जुड़े हुए हैं।

संपर्क व्यक्ति :
डॉ रश्मि शर्मा
वैज्ञानिक-एफ और प्रमुख श्री सेल
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
टेक्नोलॉजी भवन, न्यू महरौली रोड, नई दिल्ली -110016
दूरभाष: 011-26590541, ईमेल: shri-dst@gov.in

कृविस्तृत जानकारी के लिए—पया प्रस्तुति दिशानिर्देश और प्रारूप देखें।

ईमेल: shri-dst@gov.in पर संकल्पना नोट जमा करने की अंतिम तिथि 31 जनवरी 2023 है।